कुल पृष्ठ संख्या—24 (कवर पेज सहित) क्रम संख्या.... **3112116**

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा 2017

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) --

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में --

नोट :— परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम — हिन्दी ☑ अंग्रेजी ☐

विषय ....सामाजिक विज्ञान....

परीक्षा का दिन....शनिवार....

दिनांक ....18-03-17....

नोट :— परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :— (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर ....संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 161/2017

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में ''समाप्त'' लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा ''अनुचित साधनों के प्रयोग'' के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित हैं। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Ans (1.) 1929, कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन मे पूर्ण स्वराज की माँग की।

Ans (2.) लोकतंत्र शासन प्रणाली मे सामाजिक विविधताओं मे सामंजस्य स्थापित किया जाता है।

Ans (3) दो या अधिक देशो की तुलना का विश्व बैंक के अनुसार उपयुक्त माप "प्रतिव्यक्ति आय" है। परन्तु यू एन डी पी के अनुसार प्रतिव्यक्ति आय के साथ स्वास्थ्य व शैक्षिक स्तर को भी शामिल किया है।

Ans (4) विनिमय का माध्यम मुद्रा है। क्योंकि यह मध्यस्तता का कार्य करती है।

Ans (5) निवेश से तात्पर्य है कि किसी व्यक्ति या कंपनी द्वारा अन्य क्षेत्र में धन लगाना। जैसे → बहुराष्ट्रीय कंपनी दूसरे देशो मे धन लगाती है।
निवेश मे अन्य क्षेत्र मे धन, पूँजी लगाकर, उत्पादन कराकर लाभ कमाया जाता है।

Ans (6.) उपभोक्ता शोषण के दो रूप निम्नलिखित है।
(i) उपभोक्ता को वस्तु के बारे मे सही जानकारी न देकर।
(ii) उपभोक्ता द्वारा माल खरीदे जाने पर कम तौलकर।

Ans (7) जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड :→ 13 अप्रैल 1919 को

BSER-161/2017-

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

अमृतसर मे वैसाखी का मेला आयोजित किया था। यहाँ पर अनेक लोग एकत्रित हुए कुछ तो सरकार का विरोध जताने हेतु तो कुछ खुशी मनाने हेतु एकत्रित हुए। लोगो को पता नही था कि शहर मे 'मार्शल लॉ' घोषित किया है, इतने में अंग्रेज डायर ने जलियावाले बाग मे अपनी सेना के साथ पहुँचकर बाग के सभी दरवाजे बंद कर दिए। तथा लोगो पर अंधाधुंध गोलीयां बरसाई। इस घटना मे सैकडो लोग मारे गए कई घायल हो गए। इस घटना को लोगो मे रोष व्यक्त किया।

Ans(8) दुर्लभ जातियाँ ⇒ पेड़ पौधे व जीव जंतु अर्थात वन्यजीवो की वे जातियाँ जो सामान्य स्तर से काफी कम है। तथा यदि इनको प्रभावित करने वाली संकटग्रस्त परिस्थितियाँ इस तरह ही चलती रही तो यह भी एक दिन लुप्त जातियों की श्रेणी मे आ जाएगी। क्योंकि इनकी संख्या वर्तमान मे ही बहुत कम है। जैसे → हिमालयन भूरा भुला भालू।

Ans(9) भारत मे जैव विविधता कम होने के चार कारण निम्नलिखित है

(1.) जनसंख्या मे वृद्धि।
(2.) वनों का नष्ट होना।
(3.) जंगली जानवरो का शिकार।
(4.) जंगलो मे लगने वाली आग। दावानल।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Ans (10) बहुउद्देशीय परियोजनाओं की चार हानियाँ निम्नलिखित है।

(1.) बहुउद्देशीय परियोजनाओं के कारण लोगो को विस्थापित होना पड़ता है।

(2.) बहुउद्देशीय परियोजनाओं के निर्माण के समय आस-पास के पेड़-पौधे तथा वनस्पति जलमग्न हो जाते है।

(3.) बहुउद्देशीय परियोजना से विस्थापित लोगो को उचित मुआवजा नही मिल पाता। जिसके कारण अनेक आंदोलन जन्म लेते है।

(4.) बहुउद्देशीय परियोजना के कारण जो बाहरी किनारो, बांध आदि का स्तर है वहाँ तलछट जमा हो जाने के कारण वह भाग चट्टानी हो जाता है तथा भूकंप आने की समस्या बढ़ती है।

Ans (11.) वैश्विकरण का कृषि पर प्रभाव ⇒ वैश्वीकरण के परिणाम स्वरुप कृषि पर कई प्रभाव पड़े है। जिनमे से कुछ निम्नलिखित है।

(1.) सुधरे व उन्नत बीजो का प्रयोग ⇒ वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप जब दो देशो की बीच प्रतिस्पर्धा बड़ी तो उत्पादन बढ़ाने के लिए सुधरे बीजो व उन्नत बीजो का प्रयोग किया। जिससे कृषि की गुणवत्ता मे सुधार हुआ।

(2.) मशीनीकरण व फसल विविधीकरण ⇒ वैश्वीकरण के परिणाम स्वरूप मशीनो का आगमन हुआ। जिसके कारण मानवश्रम मे कमी आई तथा विविध प्रकार

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

की फसले आसानी से उगाई जाने लगी।

Ans (12) ताँबा खनिज के दो उपयोग निम्नलिखित है,
(1.) ताँबा एक ऐसा खनिज होता है जिसमे आघातवर्द्धनीयता का गुण पाया जाता है। इसे पीटकर पतली चादरे बनाई जाती है।
(2) तांबे मे तन्यता का गुण होने के कारण तांबे की तार बनाई जाती है। साथ ही इसे अन्य धातु के साथ मिलाकर मिश्रधातु बनाई जाती है।

Ans (13) ध्वनि प्रदूषण के चार कारण निम्नलिखित है।
(i) ध्वनि प्रदूषण यातायात वाहनो के कारण फैलता है।
(ii) कारखानो मे कई प्रकार की मशीने होती है उनसे भी ध्वनि उत्पन्न होती है तथा वह ध्वनि, तीव्र कर्कश व बेसुरी होती है।
(iii) दुकानदारो द्वारा अपनी दुकान का प्रचार-प्रसार करने के लिए ध्वनिप्रसारक यंत्र लगवाए जाते है।
(iv) ध्वनि प्रदूषण जब भी होता है जब उत्सव, समारोह, शादी आदि का कार्यक्रम होता है। इस समय लोग जोर जोर से आवाज करने वाले ध्वनि प्रसारक लगवाते है।

Ans (14) स्थानीय तथा अंतराष्ट्रीय व्यापार मे अंतर ⇒

स्थानीय व्यापार	अंतराष्ट्रीय व्यापार
1. यह एक देश के भीतर होता है।	1. यह 2 या अधिक देशो के मध्य होता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर	
		(2.) इसके दो अंग खरीदना व बेचना है।	(2.) इसके दो अंग आयात व निर्यात है।
		(3.) इसमें एक देश की मुद्रा एक देश में रहती है।	(3.) इसमें विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होती है।

Ans. (16.) वस्तुओं के बाजार में विज्ञापनो के महत्व ⇒ वस्तुओं के लिए बाजार में विज्ञापन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। जिसके निम्न कारण है।

(1.) उपभोक्ता का ध्यान आकर्षित करने में ⇒ बाजार मे जब वस्तुओं के विज्ञापन दिए होते है तो उपभोक्ताओ का वस्तु की ओर ध्यान आकर्षित होते है। उसे वह वस्तु लाभदायी लगती है। इस कारण व वस्तु खरीद लेता है।

(2.) उत्पादन/बिक्री बढाने में ⇒ बाजार में जब लोग विज्ञापन देखते है तो उन्हे लगता है कि यह वस्तु उनके लिए आवश्यक है। परिणामस्वरूप उन वस्तुओ का उत्पादन व बिक्री बढने लगती है। जैसे ⇒ कुछ पर राजाओ के या शाही व्यक्तियो के चित्र बने रहते है जो दर्शाते है यदि आप इस शाही व्यक्ति का सम्मान करते है तो इस प्रोडक्ट का सम्मान आपको करना चाहिए।

(3.) वस्तुओ मे उपभोक्ताओ की विश्वसनीयता बढाने मे ⇒ जब लोग विज्ञापन देखते है तो लोगो की वस्तु मे

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

विश्वसनीयता बढती है। कुछ विज्ञापन के अतिरिक्त वस्तुओ पर लेबल लगे रहते है जिस पर यदि 'मेड इन मेनचेस्टर' लिखा होता तो लोगो को वस्तु खरीदने मे संकोच नही होता।
इस प्रकार विज्ञापन वस्तुओ के बाजार मे वस्तुओ की बिक्री बढाने मे सकारात्मक भूमिका अदा करते है।

Ans. (17) उन्नसवी सदी में बंबई की आवसीय समस्याएँ ⇒ 19 वी सदी मे बंबई मे आवास को लेकर अनेक समस्याए उत्पन्न हुई। लोगो को रहने के लिए स्थान नही था। इनमे से कई समस्याऐ निम्नलिखित है

(1) आबादी का बढना ⇒ बंबई को सपनो के नगरो का शहर कहा जाता था। वहाँ पर लोगो का बहुत आकर्षण था। वहा पर 19 वी सदी मे इतनी जनसंख्या मे वृद्धि हुई कि लोगो को रहने का स्थान उपलब्ध नही था। लोग कभी-2 तो सड़को पर ही सो जाते थे।

(2) टेनमेंटस का निर्माण व आवासीय समस्याऐ ⇒ बंबई मे गरीबो तथा दूसरे शहर से आए लोगो के लिए टेनमेंटस बनाए गए। ये ऐसे मकान होते थे जिनमे एक कमरा होता था। खिड़की की व्यवस्था भी नही थी। शौचालय भी नही था। कचरे की तरह लोग ठूसे जा रहे थे। इस प्रकार इनसे भी आवास की समस्या नही सुलझी।

BSER-161/2017

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(3) चॉल में आवासीय समस्या →
यह बहुमंजिला इमारते होती थी बंबई की अधिकांश जनता इन्ही चॉलो मे रहती थी। यह एक कमरे वाली इमारते निजी सम्पत्ति थी इनमे भी गंदगी रहती थी तथा शौचालय की व्यवस्था भी नही थी इस प्रकार बंबई मे आम लोगो व गरीबो को आवासीय समस्याए हुई उनको चॉलो तथा टेनेमेंटस मे जानवरो से बुरा जीवन व्यतीत करना पड़ा।

Ans (4) वियना सम्मेलन →
यह सम्मेलन 1815 मे आयोजित किया गया। इसकी अध्यक्षता आस्ट्रिया के चांसलर ड्यूक मेटरनिख कर रहे थे इस सम्मेलन फ्रांस, रूस, आस्ट्रिया आदि के लोग सम्मिलित हुए इस सम्मेलन के कई उद्देश्य थे जिनमे से कुछ उद्देश्य निम्नलिखित है

(1) वियना सम्मेलन का प्रमुख उद्देश्य उन परिवर्तनो को पुनः हटाना जो नेपोलियन के शासन काल के दौरान फ्रांस में हुए थे।

(2) वियना सम्मेलन के अंतर्गत इस बात पर भी ध्यान दिया कि फ्रांस अपनी सीमा का विस्तार न कर सके इस कारण फ्रांस की सीमा पर अनेक अन्य राज्य राज्य स्थापित किए गए।

(3) फ्रांस की सीमा पर अनेक राज्य स्थापित करने के तहत कई परिवर्तन किए। राज्य इस प्रकार स्थापित किए कि प्रशा

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

के सैक्सनी को पूर्व मे स्थापित किए तथा अन्य राज्य उत्तर दक्षिण आदि मे स्थापित किए।
इस प्रकार वियना सम्मेलन हुआ।

Ans (19) लोकतंत्र ⇒ अब्राहम लिंकन के अनुसार जनता के लिए जनता के द्वारा जनता पर शासन लोकतंत्र है।
लोकतंत्र हमारे मतानुसार एक उत्तरदायी, जिम्मेवार व वैध शासन है। इसके पक्ष मे तीन तर्क निम्नलिखित है।

उत्तरदायी शासन ⇒ लोकतंत्र एक उत्तरदायी शासन होता है। इस लोकतंत्र व्यवस्था मे जो नेता या प्रमुख होता है उसे जनता के द्वारा चुना जाता है। इस कारण लोकतंत्र शासन एक उत्तरदायी शासन होता है।

जिम्मेवार शासन ⇒ लोकतंत्र एक जिम्मेवार शासन है। तथा यह जनता के प्रति जवाब देह होता है। क्योंकि इस शासन मे जनता ही सारी राजनैतिक शक्ति का स्रोत होती है।

वैध शासन ⇒ वैध से तात्पर्य उचित। लोकतंत्र शासन व्यवस्था एकदम उचित है इसमे व्यक्ति के अधिकारो, गरिमा, स्वतंत्रता

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

सभी की सुरक्षा रखती है।

Ans (20) आज के संदर्भ मे लोकतांत्रिक सुधार → आज के संदर्भ मे भारतीय लोकतंत्र मे वांछित सुधार जो भारतीय लोकतंत्र मे किए जा सकते है वह निम्नलिखित है।

(1.) महिलाओं व पिछड़े वर्गों को आरक्षण अधिक देकर → भारत मे महिलाओ की स्थिति समाज मे प्राचीन काल से ही खराब है। साथ ही पिछड़े वर्ग भी स्वयं को कटा-कटा व सबसे अलग समझते है। इन वर्गो के लिए आरक्षण की व्यवस्था तो है परंतु कम है। वर्तमान मे विधायी परिषदों, संसद मे महिलाओ की संख्या काफी कम है।
इसलिए उनके आरक्षण मे वृद्धि करना चाहिए।

(2.) सुधारो को संघ के व्यवहारिक स्तर पर लागु किया जाए → भारत मे जो सुधार होते है उनको संघ की इकाइयो मे ~~व्यव~~ व्यवहारिक स्तर पर लागु किया जाए।

(3.) सरकार को अधिक सर्वसम्मत बनाकर (अधिकार संपन्न) → भारत मे लोकतंत्र तो है लेकिन फिर भी कई बार राजनीति में आपराधिक तत्वो की घुसपैठ होती है। इन सभी को दूर करने के लिए भारत सरकार को अधिक सर्वसम्मत। अधिकार संपन्न बनाया जाए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

Ans (21) कोई छः सार्वजनिक सुविधाओ के नाम निम्न- लिखित है।
(1.) सरकार द्वारा चालित विद्यालय।
(2.) सरकार द्वारा चालित चिकित्सालय।
(3.) यातायात व्यवस्था।
(4.) ट्रेफिक पुलिस की व्यवस्था।
(5.) स्वच्छ वातावरण व बिना मिलावट की वस्तुए
(6.) उचित सुरक्षा व्यवस्था।
यह सब सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जाती है

Ans (22.) औपचारिक व अनौपचारिक क्षेत्रक ऋण मे अन्तर निम्नलिखित है।

औपचारिक क्षेत्रक ऋण।	अनौपचारिक क्षेत्रक ऋण
(1.) यह ऋण बैंक, सहकारी समितियाँ आदि से उपलब्ध करवाए जाते है।	(1.) यह मित्र, दोस्त, व्यापारी, साहुकार आदि से उपलब्ध करवाए जाते है।
(2.) इस क्षेत्रक के ऋण की ब्याज दर काफी कम होती है।	(2.) इस क्षेत्रक के ऋण की ब्याज दर काफी अधिक होती है।
(3.) इस क्षेत्रक से ऋण लेने पर व्यक्ति को महाजन या साहुकारो के शोषण का शिकार नही होता।	(3.) इस क्षेत्रक से ऋण लेने यदि व्यक्ति ऋण नही चुका पाता तो उसका शोषण किया जाता

Ans.(23) बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ ⇒
बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

वे होती है जो दो या अधिक देशो मे व्यापार करती है। तथा लाभ कमाती है। बहुराष्ट्रीय कम्पनियो के दो लाभ निम्नलिखित है।

(i) वैश्वीकरण मे सहायक ⇒ बहुराष्ट्रीय कम्पनिया, दो या अधिक देशो मे व्यापार करती है। ये कम्पनियाँ अन्य देशो मे पैसा लगाकर, संयुक्त उत्पादन करके या वहाँ की कम्पनियो को खरीदकर उत्पादन करती है।
जिसके कारण 2 देशो के मध्य संपर्क बना रहता है तथा वैश्वीकरण को बल मिलता है।

(ii) अधिक गुणवत्ता वाली वस्तु कम कीमत पर उपलब्ध कराने मे ⇒ ये कम्पनियाँ अनेक देशो मे व्यापार करती है। तथा कम लागत मे अधिक अच्छी गुणवत्ता वाली वस्तुओ का उत्पादन करती है।
कम लागत आने के कारण उस वस्तु का मूल्य कम रहता है तथा लोगो अच्छी गुणवत्ता वाली वस्तु कम कीमत पर उपलब्ध होती है।

Ans (24): उपभोक्ता आंदोलन के लिए स्थापित न्यायिक तंत्र ⇒ उपभोक्ताओ को उत्पीड़न व शोषण से बचाने के हेतु एक त्रि-स्तरीय न्यायिक तंत्र व्यवस्थित किया है। जो निम्न प्रकार है।

(1) जिला स्तरीय न्यायिक तंत्र ⇒ इस न्यायलय

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

के अंतर्गत व्यक्ति के 20,000 रुपये तक के विवादों का निपटारा किया जाता है।

(2) राज्यस्तरीय न्यायिक तंत्र ⇒ इस तंत्र के अंतर्गत 20,000 रु से 1 करोड़ रुपये तक के विवादों का निपटारा किया जाता है।

(3) राष्ट्रीय स्तरीय न्यायिक तंत्र ⇒ इस तंत्र के अंतर्गत, करोड़ रुपये से अधिक तक के विवादों का निपटारा किया जाता है।
इस प्रकार जिला, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर न्यायिक तंत्र की व्यवस्था की है यदि जिला स्तर पर कोई ध्यान नही दिया जाता है तो व्यक्ति राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर भी अपील कर सकता है।

Ans (25) मुद्रण क्रांति के धार्मिक प्रभाव ⇒ मुद्रण क्रांति को छापेखाने के अविष्कार से जोड़कर देखा जाता है मुद्रण क्रांति के अलग-2 लोगो पर अलग-2 धार्मिक प्रभाव पड़े जो निम्नलिखित है।

(1) मुद्रण क्रांति का विद्वानो पर प्रभाव ⇒ मुद्रण क्रांति के परिणामस्वरूप विद्वानो पर अनेक धार्मिक प्रभाव पड़े। उन्हे लगा यदि ~~इसी~~ ऐसी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

प्रकार मुद्रित किताबो की संख्या बढ़ेगी तो लोग धर्म की अपने अपने तरह से से व्याख्या करेगे। उनमे अधार्मिक विचार पनपेगे। इस कारण तो मूल्यवान साहित्य की सत्ता ही नष्ट हो जाएगी।

(2) मुद्रण क्रान्ति का किसान पर प्रभाव ⇒

मुद्रण क्रान्ति के परिणामस्वरूप स्वरूप किताबे छपी तो एक किसान मेनोकियो ने बाइबिल के अलग ही अर्थ लगाने शुरू कर दिया इस कारण एक इन्क्वीजीशन नामक धर्मविरोधी लोगो को ~~दुरुस्त करन~~ हटाने वाली संस्था का निर्माण किया गया तथा मेनोकियो को फांसी दे दी 1558 ई से ~~प्रतिबिंब~~ प्रतिबंधित किताबो की सूची ~~म~~ रखी जाने लगी। इस प्रकार मुद्रण क्रांति के धार्मिक प्रभाव पड़े लेकिन विपरीत धार्मिक प्रभाव पड़े लोग अलग ढंग से धर्मो की व्याख्या करते लगे। जिस कारण अधार्मिक विचार उत्पन्न होगए।

Ans (26) संसाधन ⇒

पर्यावरण मे उपलब्ध प्रत्येक वस्तु जो मानवीय आवश्यकताओ को पूरा करने मे उपयोग मे ली जाती है प्रौद्योगिकी जिसके लिए उपलब्ध है जो सांस्कृतिक रूप से मान्य हो तथा आर्थिक रूप से सम्भाव्य हो। संसाधनो का म आधार पर वर्गीकरण किया है। उत्पत्ति के आधार पर संसाधनो को जैव व अजैव दो भागो मे बांटा है

जैव संसाधन ⇒

यह उत्पत्ति के आधार पर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

संसाधन का एक भाग है। ये वह संसाधन होते है जिनकी प्राप्ति जीवमंडल से होती है तथा जिनमे जीवन व्याप्त है। वे जैव संसाधन कहलाते है। जैसे → मनुष्य, पशुधन।

अजैव संसाधन → वे संसाधन जिनकी प्राप्ति तो जीवम वायुमंडल या वातावरण से होती है। परन्तु इनमे जीवन व्याप्त नही है। अजैव संसाधन कहलाते है। जैसे → मृदा, धातुएँ। यह भी उत्पत्ति के आधार पर संसाधनो का ही भाग होता है।

Ans (27.) महिलाओ के साथ अभी भी कई तरह के भेदभाव होते है। क्योकि अभी भी लोगो में रूढिवादी विचारधारा समाप्त नही हुई है। जिनमे से कुछ भेदभावो का उदाहरण सहित वर्णन निम्नलिखित है।

(1.) कार्यो में भेदभाव → महिलाओ के साथ वर्तमान में कई प्रकार के भेदभाव होते है इनमे से कार्यो मे भेदभाव भी मुख्य है। महिलाओ व पुरुष के कार्यो मे भेदभाव पाया जाता जैसे महिलाओ का दायरा केवल चारदीवारी

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

तक सीमित रहता है तथा घरेलू कार्य महिलाओ द्वारा किए जाते है। इसके विपरीत पुरुष बाहर का सभी काम करते है तथा उन्हे कभी भी आने जाने की आजादी रहते है।

(2) समान कार्य के लिए कम मजदुरी मिलना → महिलाओ व पुरुषो के साथ वर्तमान मे यह समस्या भी है कि उन्हे समान कार्य किए जाने पर भी कम मजदुरी मिलती है। उनके कार्य को पुरुषो से कम आंका जाता है। जैसे → यदि महिलाओ व पुरुष ने समान कार्य किया फिर भी पुरुष को अधिक मजदुरी मिलती है।

(3) ऊँचे पद पर महिलाओ की संख्या कम होना → भारत मे आज भी ऊँचे पदो पर पुरुषो का ही दबदबा है अर्थात पुरुषो की ही संख्या अधिक है। इसके विपरीत महिलाओ की संख्या बहुत कम है। जैसे → विधानसभा परिषदो मे केवल 10% तथा लोकसभा मे केवल 8% ही महिलाए है। इस प्रकार पुष्टि होती है कि महिलाओ के साथ कई भेदभाव किए जाते है।

Ans (28) नेपाल मे लोकतंत्र के लिए दुसरा आंदोलन → नेपाल मे पहले लोकतंत्र था लेकिन वहा के राजा द्वारा प्रधानमंत्री को अपदस्थ कर

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

वहाँ की सत्ता पर कब्जा कर लिया गया। जिसके कारण लोकतंत्र की पुर्नस्थापना के लिए आंदोलन किया जिसे लोकतंत्र के लिए दूसरा आंदोलन कहते है। जो निम्न प्रकार हुआ।

प्रधानमंत्री को अपदस्थ करना ⇒ नेपाल के राजा ज्ञानेन्द्र ने वहाँ के प्रधानमंत्री को अपदस्थ कर वहाँ के सत्ता या शासन पर कब्जा करने की योजना बनाई तथा योजना मे सफल हुआ।

लोगो का विरोध तथा मांगे ⇒ लोगो ने इसका खूब विरोध किया। इस कारण बड़े पैमाने जनसंख्या लामबंद हुए जनता की संख्या लाखो तक पहुंच गई। जनता ने मांग की ① सर्वदलीय सरकार बने ② संसद को फिर से बहाल किया जाए ③ तथा नई संविधान सभा का गठन किया जाए।

राजा द्वारा लोगो की मांग स्वीकारना ⇒ जब इतने पैमाने पर जनता लामबंद हुई तथा आंदोलन हुए तो राजा को अंत मे जनता की मांगो को स्वीकार करना पड़ा। अप्रैल 2006 में वहाँ लोकतंत्र की पुनः स्थापना हुई। इस प्रकार लोकतंत्र के लिए दूसरा आंदोलन हुआ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

Ans) 21. प्राथमिक, द्वितीयक व तृतीयक क्षेत्रको का उदाहरण सहित वर्णन निम्नलिखित है।

(i) प्राथमिक क्षेत्रक ⇒

यह भाई प्राथमिक क्षेत्रक है। इसमे प्रकृति से प्राप्त उत्पादो का प्रयोग किया जाता है। तथा प्रकृति से प्राप्त उत्पाद का उपयोग करने के कारण इसे प्राकृतिक क्षेत्रक भी कहा जाता है प्राथमिक क्षेत्रक मे कई गतिविधियाँ आती है जैसे ⇒ कृषि, मत्स्य पालन, डेयरी उद्योग इत्यादि।
भारत के अधिकांश लोगो को इसी क्षेत्रक मे रोजगार उपलब्ध है।

(ii) द्वितीयक क्षेत्रक ⇒

यह द्वितीयक क्षेत्रक वह होता है जिसमें प्राकृतिक उत्पाद को विनिर्माण प्रक्रिया के जरिये अन्य उत्पादो मे परिवर्तित किया जाता है। जैसे ⇒ गन्ने से गुड़ का उत्पादन। यह क्षेत्रक उद्योगो से जुड़ा है। इस कारण इसे औद्योगिक क्षेत्रक भी कहते है।

(iii) तृतीयक क्षेत्रक ⇒

इसमें न वस्तुओ का निर्माण होता है न उत्पादन, बल्कि सेवाओ का सृजन किया जाता है। इसलिए इसे सेवा क्षेत्रक भी कहते है। यह प्राथमिक तथा द्वितीयक क्षेत्रक के विकास मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उदा० ⇒ परिवहन, बैंकिंग, बीमा, पर्यटन, संचार आदि।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

Ans (3)) (अ) भारतीय संविधान में केन्द्र व राज्यो के बीच विधायी शक्तियो या अधिकारो को तीन हिस्सो मे बाटाँ गया है। इन अधिकारो को तीन सूचियो के माध्यम से बाटाँ गया है जो निम्न प्रकार है

(1.) संघ सूची ⇒
इस सूची के अंतर्गत 97 विषय रखे है। इस सूची के अंतर्गत विषयो पर कानून बनाने का अधिकार केवल केन्द्र सरकार को है। जैसे → प्रतिरक्षा, विदेशी मामले आदि।

(2.) राज्य सूची ⇒
इस सूची के तहत जो विषय है उन पर कानून बनाने का अधिकार केवल राज्य सरकार को है। जैसे → वाणिज्य, व्यापार, सिंचाई आदि।

(3.) समवर्ती सूची ⇒
इस सूची के तहत जो विषय है उन पर कानून बनाने का अधिकार केन्द्र सरकार व राज्य सरकार दोनो को है दोनो मे टकराव होने पर केन्द्र सरकार की बात मान्य होगी।
उदा० उत्तराधिकार, तलाक, वन, विवाह आदि।

(4.) अवशिष्ट विषय ⇒
इन पर कानून केंद्र सरकार बना सकती है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

Ans (31) (ब) (i) सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं के अधिकाधिक उपयोग को प्रोत्साहित करने हेतु लोगों को अभिप्रेरित करना चाहिए तथा बस द्वारा बसलेन, दुपहिया व तिपहिया वाहनों द्वारा दुपहिया व तिपहिया लेन व पैदल चलने वाले के लिए कुट ओवरब्रिज की व्यवस्था की जानी चाहिए।

(ii) सड़क दुर्घटना का प्रमुख कारण सड़क पर क्रोधोन्माद की स्थिति है। क्रोधोन्माद की स्थिति होने पर व्यक्ति आपे से बाहर हो जाता है तथा दुर्घटना हो जाती है।
शराब पीकर गाड़ी चलाना भी सड़क दुर्घटना का कारण है।

(iii) नागरिकों को यातायात के नियमों व सड़क सुरक्षा के बारे मे जानकारी देना उनके "जीने के अधिकार" की रक्षा करती है।

Ans (30) नक्शा (Turnover)

समाप्त

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

BSER-161/2017

Ans (30)

शिक्षा बोर्ड, राजस्थान अजमेर

नामांक Roll No.

2	2	9	1	0	5	8

S-08-सामाजिक विज्ञान

माध्यमिक परीक्षा, 2017
SECONDARY EXAMINATION, 2017
सामाजिक विज्ञान
SOCIAL SCIENCE

B

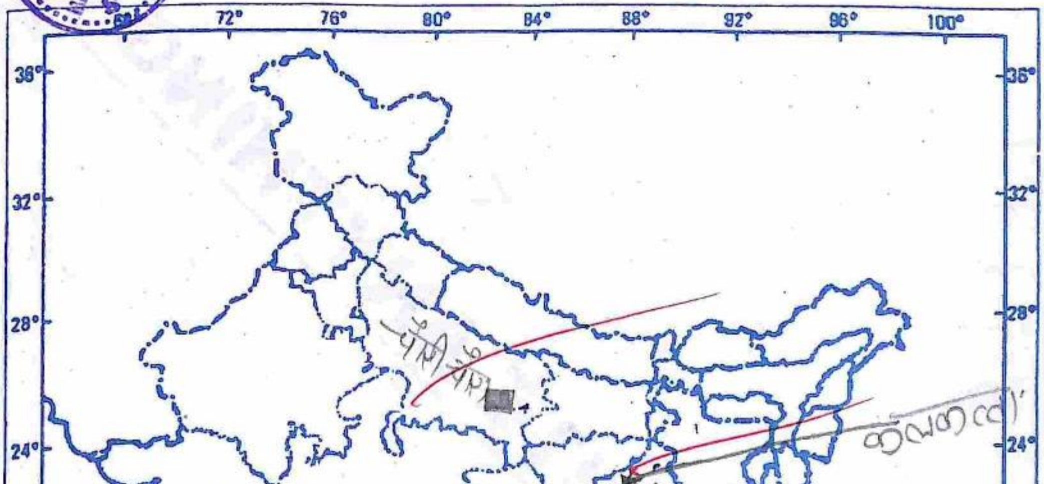

Ans (30) (अ)(i) ● सेलम (लोहइस्पातसंयंत्र)
(ii) ▲ दुर्गापुर (लोहइस्पातसंयंत्र)
(ब)(i) ■ चौरीचौरा (आंदोलन का स्थान)
(ii) ★ कलकत्ता (राजधानी)

ial Science

DO NOT WRITE ANYTHING HERE